यीशु क चमत्कार

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

मती 8-9, मरकुस 1-2, मरकुस 4, लूका 4,
लूका 8, यूहन्ना 2

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

19

20

21

22

23

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कहीं : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीहीं ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकीं । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !

सुरेश मसीह Bhojpuri

यीशु क चमत्कार

लेखक Edward Hughes
ब्याख्याकर Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson

अनुवादक सुरेश मसीह
अनुकूलित E. Frischbutter; Sarah S.

कहानी 40 से 60

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

यीशु मसीह ढेरों चमत्कार कइलन। चमत्कार सब, ई सिद्ध करे की खातिर के कइलन की यीशु मसीह ही वास्तव में परमेश्वर क बेटा हउवन।

1

पहिला चमत्कार एगो शादी की दावत में भइल। एगो समस्या पैदा हो गोइल। उहाँ दाखरस सबकी खातिर पर्याप्त ना रहल।

2

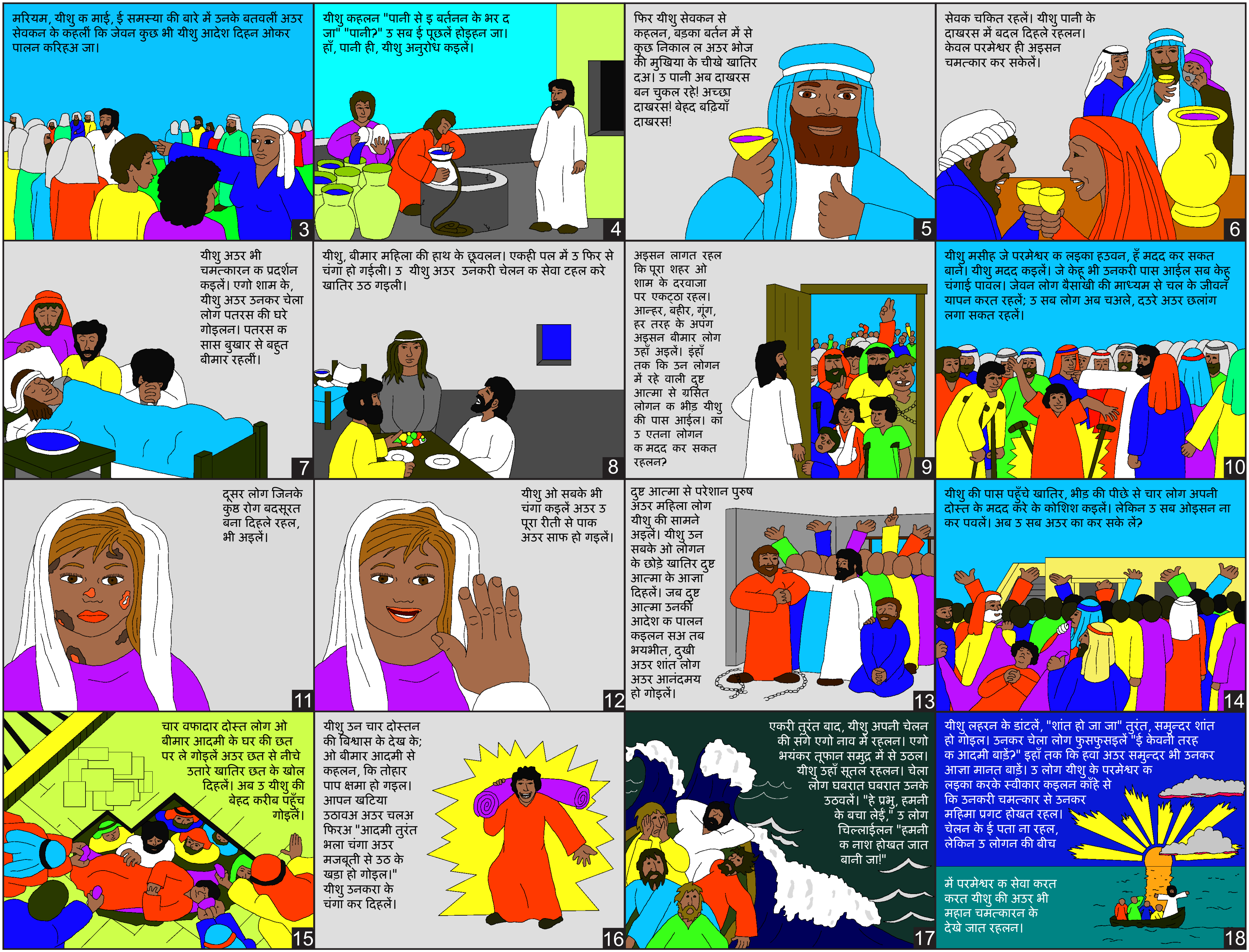
मरियम, यीशु क माई, ई समस्या की बारे में उनके बतवलीं अउर सेवकन के कहलीं कि जेवन कुछ भी यीशु आदेश दिहन ओकर पालन करिहअ जा।
3
यीशु कहलन "पानी से इ बर्तनन के भर द जा" "पानी?" उ सब ई पूछलें होइहन जा। हाँ, पानी ही, यीशु अनुरोध कइलें।
4
फिर यीशु सेवकन से कहलन, बड़का बर्तन में से कुछ निकाल ल अउर भोज की मुखिया के चीखे खातिर दअ। उ पानी अब दाखरस बन चुकल रहे! अच्छा दाखरस! बेहद बढ़ियाँ दाखरस!
5
सेवक चकित रहलें। यीशु पानी के दाखरस में बदल दिहले रहलन। केवल परमेश्वर ही अइसन चमत्कार कर सकेलें।
6
यीशु अउर भी चमत्कारन क प्रदर्शन कइलें। एगो शाम के, यीशु अउर उनकर चेला लोग पतरस की घरे गोइलन। पतरस क सास बुखार से बहुत बीमार रहलीं।
7
यीशु, बीमार महिला की हाथ के छूवलन। एकही पल में उ फिर से चंगा हो गईली। उ यीशु अउर उनकरी चेलन क सेवा टहल करे खातिर उठ गइली।
8
अइसन लागत रहल कि पूरा शहर ओ शाम के दरवाजा पर एकट्ठा रहल। आन्हर, बहीर, गूंग, हर तरह के अपंग अइसन बीमार लोग उहाँ अइलें। इहाँ तक कि उन लोगन में रहे वाली दुष्ट आत्मा से ग्रसित लोगन क भीड़ यीशु की पास आईल। का उ एतना लोगन क मदद कर सकत रहलन?
9
यीशु मसीह जे परमेश्वर क लइका हउवन, हँ मदद कर सकत बानें। यीशु मदद कइलें। जे केहू भी उनकरी पास आईल सब केहु चंगाई पावल। जेवन लोग बैसाखी की माध्यम से चल के जीवन यापन करत रहलें; उ सब लोग अब चअले, दउरे अउर छलांग लगा सकत रहलें।
10
दूसर लोग जिनके कुष्ठ रोग बदसूरत बना दिहले रहल, भी अइलें।
11
यीशु ओ सबके भी चंगा कइलें अउर उ पूरा रीती से पाक अउर साफ हो गइलें।
12
दुष्ट आत्मा से परेशान पुरुष अउर महिला लोग यीशु की सामने अइलें। यीशु उन सबके ओ लोगन के छोड़े खातिर दुष्ट आत्मा के आज्ञा दिहलें। जब दुष्ट आत्मा उनकी आदेश क पालन कइलन सअ तब भयभीत, दुखी अउर शांत लोग अउर आनंदमय हो गोइलें।
13
यीशु की पास पहुँचे खातिर, भीड़ की पीछे से चार लोग अपनी दोस्त के मदद करे के कोशिश कइलें। लेकिन उ सब ओइसन ना कर पवलें। अब उ सब अउर का कर सके लें?
14
चार वफादार दोस्त लोग ओ बीमार आदमी के घर की छत पर ले गोइलें अउर छत से नीचे उतारे खातिर छत के खोल दिहलें। अब उ यीशु की बेहद करीब पहुँच गोइलें।
15
यीशु उन चार दोस्तन की बिश्वास के देख के; ओ बीमार आदमी से कहलन, कि तोहार पाप क्षमा हो गइल। आपन खटिया उठावअ अउर चलअ फिरअ "आदमी तुरंत भला चंगा अउर मजबूती से उठ के खड़ा हो गोइल।" यीशु उनकरा के चंगा कर दिहलें।
16
एकरी तुरंत बाद, यीशु अपनी चेलन की संगे एगो नाव में रहलन। एगो भयंकर तूफान समुद्र में से उठल। यीशु उहाँ सूतल रहलन। चेला लोग घबरात घबरात उनके उठवलें। "हे प्रभु, हमनी के बचा लेईं," उ लोग चिल्लाईलन "हमनी क नाश होखत जात बानी जा!"
17
यीशु लहरन के डांटलें, "शांत हो जा जा" तुरंत, समुन्दर शांत हो गोइल। उनकर चेला लोग फुसफुसइलें "ई केवनी तरह क आदमी बाड़ें?" इहाँ तक कि हवा अउर समुन्दर भी उनकर आज्ञा मानत बाड़ें। उ लोग यीशु के परमेश्वर क लइका करके स्वीकार कइलन काँहे से कि उनकरी चमत्कार से उनकर महिमा प्रगट होखत रहल। चेलन के ई पता ना रहल, लेकिन उ लोगन की बीच
में परमेश्वर क सेवा करत करत यीशु की अउर भी महान चमत्कारन के देखे जात रहलन।
18